इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

हरतालिका तीज के गीत

तीज माता गौरी माता मेरे घर आइए माता
भोले बाबा गणपत पुत्र साथ लाइए,
माता विनती करव दोनो कर जोड़ी के।
माता पहला अरज मेरी सुन लिजिए
माता मांगों का टीका अमर किजिए ,
माता मांगो का सिन्दूर अमर किजिए ,
माता विनती करव दोनो कर जोड़ी के।
माता दूसरा अरज मेरी सूने लिजिए,
माता लिलरा के बिन्दीया अमर किजिए,
माता विनती करव दोनो कर जोड़ी के |
माता तीसरा अरज मेरी सुन लिजिए,
माता हांथो का कंगन अमर कीजिए,
माता हाथों का चुड़िया अमर किजिए,
माता विनती करव दोनो कर जोड़ी के।
माता चौथा अरज मेरी सुन लीजिए,
माता पैरों का पायल अमर किजिए,
माता पैरों का विछुआ अमर किजिए,
माता विनंती करव दोनों कर जोड़ी के |
माता पाचवा, अरज मेरी सुन लिजिए
माता जीवन साथी अमर किजिए,
माता गोदी का बालक अमर किजिए,
माता विनती करव दोनो कर जोड़ी के

इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

माता छठा अरज मेरी लिजिए माता नईहर ससुर,
अमर कजिए माता विनती करव दोनो कर जोड़ी के।

सात सखीअन...तीज गीत

सात सखीअन मिली तीज पूजे चलली है,
सोने के चबुतरा बनावले गे माई|
सेही रे चबुतरा चढी बैठेलन तीज माता
संगवा में भोले बाबा साथ गे माई ।
काहे लागी अजी माता मुखवा मलिन भइले,
काहे लागी छोड़ल नगरिया गे माई ।
नहीयों में अजी सबरे मुखवा मलिन भइले ,
नहीं हम छोड़ली नगरिया गे माई।
दिनरात घुमइत रहली भक्त के देखइत रहली,
दुखवा हम हरइत रहली, सुखवा हम देइत रहली ।
देइत देइत अइली एही नगरिया गे माई ।
तोहरों के देवो सांवरो सिर के सेन्दुरवा जी
चमकत दुनियो इंजोर गे माई |
स्वामी के देवो को संवरो रोजी रोजगरवा
जी बालका के देवो सुमति बुद्धिया गे माई |
तोहरो के देवो सांवरो कंचन देहिया जी
होइहे न मुखवा मलिन गे माई |
युग युग जिओ सांवरो गोदी के बलकवा जी
जनम युग बदय अहियात गे माई।

इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

मिले सातों जनम का प्यार

मिले सातों जनम का प्यार मेरे बालम का ।

हो खुशियों का संसार पिया मन भावन का – – – – – 2

मिले सातो जनम का प्यार – – – – -2

हे भोले बाबा हे गौरा रानी मांगू में ये वरदान

सदा सुहागन का रहे सातो जनम का साथ

मेरे बालम का मिले सातो जनम का प्यार मेरे बालम का |

तीज का व्रत त्योहार किया है सजना के नाम का सिन्दुर किया है

चमके मांगों में सिन्दुर साजन के अभिमान का |

हे भोले बाबा हे गोरा रानी मांगु मे वरदान सदा सुहागन का |

रहे सातो जनम का साथ मेरे साजन का – – – – -2

सिन्दुर सजायी मैने ओढी चुन्दरिया मेरा तो जान है मेरा सांवरिया,

कभी कम न हो ये लार पिया के चाहत का ।

हे भोले बाबा हे गौरा रानी मांगु मैं ये वरदान

सदा सुहागन का रहे जनम जनम का साथ मेरे साजन का – – – – – -2